हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, शुक्रवार, 30 मई 2025

अधिवक्ताओं की सुरक्षा के मुद्दे पर दिल्ली में होगा राष्ट्रीय अधिवेशन

नागपुर. अखिल भारतीय संयुक्त अधिवक्ता मंच भारत के चौथे स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में दिनांक 31 मई को प्रधानमंत्री संग्रहालय एवं पुस्तकालय ऑडिटोरियम, तिनमूर्ति भवन, नई दिल्ली में एक भव्य राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया जा रहा है। इस अधिवेशन का मुख्य उद्देश्य देश में एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती से उठाना है। इस महत्वपूर्ण अधिवेशन में देशभर के करीब 19 राज्यों के अधिवक्ता भाग ले रहे हैं। इसी क्रम में नागपुर से पहला जत्था 29 मई को नई दिल्ली के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे का नेतृत्व राष्ट्रीय कोर कमेटी सदस्य एवं नागपुर जिला अध्यक्ष अधिवक्ता छत्रपति शर्मा कर रहे हैं। उनके साथ डीबीए भंडारा के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, प्रदेश उपाध्यक्ष भरत वोरा, किशोर लांजेवार, प्रदेश युवा सचिव चंद्रशेखर राऊत, विदर्भ सचिव गौतमी नारनवरे तथा मीडिया सह-प्रभारी प्रतीक गनोड़कर सहित कई अन्य अधिवक्ता उपस्थित रहे।

शांतिनगर अंडरब्रिज प्रोजेक्ट अब भी अधूरा

> मंजूरी में देरी बनी वजह

नागपुर.

पूर्व नागपुर से उत्तर नागपुर को जोड़ने वाले डिप्टी सिग्नल-शांतिनगर अंडर ब्रिज पर 2021 से काम चल रहा है, लेकिन संबंधित एजेंसियों से समय पर मंजूरी व अनुमति नहीं मिलने से महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट अब तक पूरा नहीं हो सका है। यहां पर दो आरयूबी बन रहे हैं। शांतिनगर आरयूबी पीडब्ल्यूडी की निगरानी में और डिप्टी सिग्नल अंडर ग्राउंड महारेल बना रहा है। अगले साल इसका काम पूरा होकर यहां से वाहनों की आवाजाही शुरू होगी। पीडब्ल्यूडी ने 2021 में और महारेल ने फरवरी 2024 में काम का भूमिपूजन किया था।

18 महीने में पूरा करना था कार्य

शांतिनगर अंडर पास का काम पीडब्ल्यूडी की निगरानी में सीएस कंस्ट्रक्शन कंपनी कर रही है। 34 करोड़ की लागत से बनने वाले इस अंडर ग्राउंड का काम 2021 में शुरू हुआ था और 18 महीने में इसे पूरा करना था। एसईसी रेलवे व मनपा से समय पर मंजूरी नहीं मिलने से काम में विलंब होते गया। शांतिनगर अंडर ग्राउंड का काम अंतिम चरण में हैं, लेकिन अगले महीने से बारिश का मौसम शुरू होने से अब अगले साल ही आवाजाही हो सकेगी। रेल पटरी से सटे बिजली के केबल और खंभे हटाने रेलवे प्रशासन से लंबा पत्राचार चला। रेलवे से ब्लाक मिलने में भी लंबा वक्त लगा। केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी को हस्तक्षेप करना पड़ा था। गडकरी ने खुद रेलवे प्रशासन को पत्र लिखा था। सेंट्रल रोड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड (सीआरआईएफ) से बनाए जा रहे डिप्टी सिग्नल अंडर ग्राउंड का भूमिपूजन केंद्रीय मंत्री नितीन गडकरी ने फरवरी 2024 को किया था। इस अंडर ग्राउंड को एक साल में पूरा करना था, लेकिन काम अगस्त 2025 तक पूरा होने के संकेत हैं। मनपा व रेलवे से मंजूरी लेने में लंबा वक्त निकलने का दावा महारेल ने किया है।

भूमिगत नालियों का काम अंतिम चरण में

पीडब्ल्यूडी के सूत्रों ने बताया कि शांतिनगर अंडरग्राउंड का काम लगभग पूरा हो गया है। कावरापेठ फ्लाई ओवर तक एप्रोच रोड बनाने का काम चल रहा है। बारिश के पानी की निकासी के लिए भूमिगत नालियों का काम अंतिम चरण में है। अधिकांश समय रेल प्रशासन से विविध कामों के लिए मंजूरी लेने व ब्लाक लेने में निकल गया था। डिप्टी सिग्नल अंडर ग्राउंड का काम बाकी है, इसलिए अगले साल ही आवाजाही शुरू हो सकेगी।

कई चुनौतियों का करना पड़ा सामना

महारेल के जनसंपर्क अधिकारी विनीत टोके ने बताया कि फरवरी 2024 में काम का भूमिपूजन हुआ, लेकिन काम के दौरान कई चुनौतियां आईं। रेलवे प्रशासन व मनपा से मंजूरी लेने में लंबा समय लगा। टू लेन अंडर पास का 80 फीसदी तक काम हो चुका है और अगस्त 2025 तक काम पूरा करने का लक्ष्य है। दावा किया कि हमारी तरफ से देरी नहीं हुई है।

100 दिन की कार्ययोजना में नागपुर-अमरावती को शीर्ष स्थान

उपनिदेशक शेखर पाटिल ने दोनों कार्यालयों का नेतृत्व किया

नागपुर.

100 दिन की कार्ययोजना के तहत राज्य भर में लागू किए गए 100 दिन के कार्यालय सुधार कार्यक्रम में, नागपुर और अमरावती में खेल और युवा सेवा कार्यालयों के उप निदेशक ने राज्य में क्रमशः पहला और दूसरा स्थान प्राप्त किया।

हाल ही में 100 दिन के कार्यालय सुधार के लिए एक विशेष अभियान लागू किया गया था। इस अभियान के दूसरे चरण के तहत महाराष्ट्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले संभागीय स्तर के सरकारी कार्यालयों के नाम हाल ही में घोषित किये गए हैं। इसमें नागपुर और अमरावती में खेल और युवा सेवा कार्यालयों के उप निदेशक को उनके प्रदर्शन के लिए यह पुरस्कार दिया गया।

टीम वर्क से हासिल की बड़ी सफलता- शेखर पाटिल

नागपुर में खेल क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के निर्देशानुसार विभिन्न विकास कार्य किये गए हैं। उपसंचालक खेल एवं युवा सेवा कार्यालय नागपुर एवं अमरावती संभाग में खेल क्षेत्र के संबंध में अपने विजन को क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ऐसा उपसंचालक शेखर पाटिल ने इस अवसर पर कहा। इस जिम्मेदारी को निभाते हुए मेरे पास अमरावती में उपसंचालक पद का अतिरिक्त प्रभार है और वहां के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के सहयोग से दोनों कार्यालय बेहतरीन काम करने में सफल रहे। संभागीय उपसंचालक खेल शेखर पाटिल ने जवाब दिया कि उन्हें खुशी है कि टीम वर्क के कारण हम राज्य में क्रमशः प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने में सफल रहे।

बंद घर से चोरों ने उड़ाया 2.04 लाख का माल

नागपुर. नंदनवन थाना क्षेत्र में एक बंद घर को निशाना बनाते हुए अज्ञात चोरों ने नकदी और आभूषणों समेत करीब 2.4 लाख का माल चोरी कर लिया। इस संबंध में नंदनवन पुलिस थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित प्रशांत नरेन्द्र सालवे (उम्र 47 वर्ष) प्लॉट नंबर 312, चिटनीस नगर, पंचवटी आश्रम के पीछे, नंदनवन निवासी अपने परिवार सहित दिनांक 24 मई की शाम को शेगाव दर्शन के लिए गए थे। घर बंद था और दरवाजे पर ताला लगाया गया था। इसी दौरान, 24 मई शाम 4 बजे से 25 मई रात 9:30 बजे के बीच, अज्ञात चोरों ने उनके घर का लकड़ी का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया। बेडरूम में रखे लकड़ी के कपाट से चोरों ने 1,15,000 नकद, सोने-चांदी के आभूषण और घड़ियाँ सहित कुल 2,40,000 के सामान की चोरी कर ली। फरियादी की शिकायत पर नंदनवन पुलिस थाने में पो.उप. निरीक्षक बोरकर द्वारा अज्ञात चोरों के चोरी के तहत मामला दर्ज किया गया है।

वेणा नदी के उफान में बहा सुरक्षा रक्षक, एक किलोमीटर दूर मिला शव

नागपुर.

नागपुर जिले में हुई पहली ही मूसलधार बारिश ने भयावह रूप धारण कर लिया है। बुधवार रात वडगाव गुजर गांव के पास वेणा नदी के उफान में एक सुरक्षा रक्षक मोटरसायकल समेत बह गया। गुरुवार सुबह उसका शव घटना स्थल से लगभग एक किलोमीटर दूर नदी किनारे एक पेड़ के तने में फंसा हुआ मिला। मृतक की पहचान नंदवर्धन हरबा शेंडे (उम्र 45), मूल निवासी लाखनी, भंडारा तथा वर्तमान में सातगाव, बुटीबोरी में भगत परिवार के घर पर निवासरत, के रूप में हुई है। बुधवार रात लगभग 10 बजे वे वडगाव गुजर स्थित कोलगेट कंपनी के लॉजिस्टिक पार्क से सुरक्षा रक्षक की ड्यूटी समाप्त होने के बाद अपनी प्लैटिना मोटरसायकल से घर लौट रहे थे। उसी समय वडगाव गुजर गांव के पास वेणा नदी पर बने पुल पर पानी बह रहा था। पुल पर पानी होने के बावजूद उन्होंने मोटरसायकल लेकर पुल पार करने का प्रयास किया, लेकिन नदी के तेज प्रवाह में

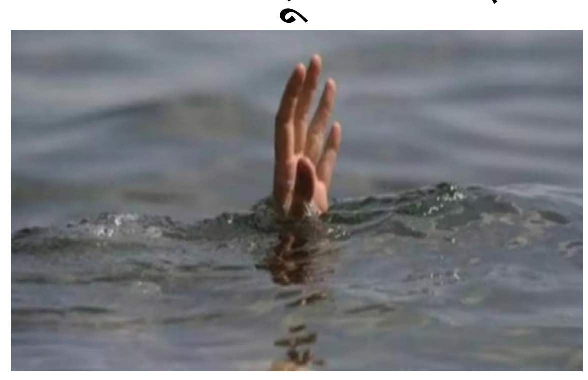

बह गए। स्थानीय नागरिकों ने पुल पर मोटरसायकल फंसी हुई देखकर तुरंत हिंगणा पुलिस थाने को सूचना दी। सूचना मिलते ही थानेदार जितेंद्र बोबडे, सहायक पुलिस निरीक्षक नाले, पुलिस हवालदार राजेश नारे, अनंता गोतमुकुलवार, संजीव तायडे, अनिल झाडे, प्रणित बंड व अन्य स्टाफ घटनास्थल पर पहुंचे और खोजबीन शुरू की।

शुरुआत में मोटरसायकल को बरामद किया गया, और आसपास के नदी क्षेत्र में मृतक की तलाश जारी रही। गुरुवार सुबह घटनास्थल से करीब 1 किलोमीटर दूर नदी किनारे एक पेड़ में फंसा हुआ मृतक का शव मिला। गांववासियों की सहायता से शव को बाहर लाकर पुल पर लाया गया। बताया जा रहा है कि मृतक की पत्नी का कुछ समय पहले ही देहांत हो गया था। उनके पीछे दो बेटियां हैं एक 16 वर्ष की और दूसरी 13 वर्ष की है। परिवार के पालन-पोषण और बेटियों की शिक्षा की जिम्मेदारी अकेले उन्हीं के कंधों पर थी। इस हादसे से इन मासूम बच्चियों का एकमात्र सहारा भी छिन गया है। इस दुखद घटना से गांव और क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

नकदी और गहनों सहित 1.26 लाख का माल चोरी

नागपुर. कलमना थाना क्षेत्र के तुकाराम नगर स्थित एक घर में दिनदहाड़े चोरी की घटना सामने आई है। इस वारदात में अज्ञात चोर ने एक डॉक्टर के घर का ताला तोड़कर नकदी और आभूषण समेत करीब 1.26 लाख रुपये का माल चुरा लिया। जानकारी के अनुसार फरियादी प्लॉट नंबर 21/ए, तुकाराम नगर, जुना कामठी रोड, कलमना निवासी डॉक्टर जितेश श्रीराम आत्राम (उम्र 39 वर्ष) बताये जा रहे हैं। 28 मई 2025 को दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक वे हॉस्पिटल में ड्यूटी पर थे, जबकि उनके परिवार के सदस्य वास्तु पूजन के कार्यक्रम के लिए बाहर गए हुए थे। इस दौरान अज्ञात चोर ने घर के पिछले हिस्से के किचन दरवाजे का कड़ी- कुण्डा तोड़कर भीतर प्रवेश किया और बेडरूम में रखी अलमारी से 60,000 रुपये नकद तथा सोने-चांदी के आभूषण सहित 1.26 लाख के माल को चुराकर फरार हो गया। घटना की जानकारी मिलते ही कलमना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

महावितरण के धापेवाड़ा उपकेंद्र को मिला आईएसओ प्रमाणन

नागपुर.

ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण और निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महावितरण के किये गए सशक्त सक्षमीकरण और आधुनिकरण के चलते, नागपुर परिमंडल के अंतर्गत कलमेश्वर उपविभाग स्थित 33/11 केवी धापेवाड़ा विद्युत उपकेंद्र को प्रतिष्ठित आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन प्राप्त हुआ है।

धापेवाड़ा उपकेंद्र यह मान्यता पाने वाला नागपुर जिले का पहला उपकेंद्र बना है। यह प्रमाणन धापेवाड़ा उपकेंद्र से जुड़े सभी विद्युत उपभोक्ताओं को 24x7 गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति, 33/11 केवी उपकेंद्र के प्रभावी संचालन, उच्चदाब एवं निम्नदाब विद्युत लाइनों की देखरेख तथा वितरण ट्रांसफार्मरों के उचित रखरखाव के लिए प्रदान किया गया है।

महावितरण का मानना है कि 'ईसे ऑफ़ लिविंग', यानी नागरिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने में विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। आईएसओ 9001:2015 प्रमाणन, उपकेंद्र में किये गए सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों और संचालन मानकों को दर्शाता है, जिससे उपभोक्ताओं को और बेहतर सेवा मिल सकेगी। यह उल्लेखनीय है कि इस उपलब्धि के पीछे उपकेंद्र के कर्मचारियों की स्वप्रेरित और उत्कृष्ट मेहनत है। उनकी प्रेरणा से अन्य विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित हो रहे हैं। इस मान्यता को प्राप्त करने के लिए नागपुर परिमंडल के मुख्य अभियंता दिलीप दोडके, नागपुर ग्रामीण मंडल के अधीक्षक अभियंता संजय वाकडे, काटोल विभाग के कार्यकारी अभियंता दीपक आगाव, विभाग के अतिरिक्त कार्यकारी अभियंता, उपकार्यकारी अभियंता, उपकेंद्र के कर्मचारी, सुरक्षा रक्षक और बाहरी सेवा प्रदाताओं ने एकजुट होकर अथक प्रयास किये। महावितरण इस उपलब्धि को एक प्रेरणास्रोत मानते हुए अन्य उपकेंद्रों में भी इसी तरह की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए कटिबद्ध है, जिससे सभी उपभोक्ताओं को श्रेष्ठ सेवा प्राप्त हो सके।

हथियार के साथ हंगामा कर रहे युवक को पुलिस ने पकड़ा

नागपुर. कलमना पुलिस ने एक युवक को खतरनाक हथियार के साथ सार्वजनिक स्थान पर हंगामा करते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 28 मई को लगभग शाम 7:30 बजे, कलमना पुलिस की गश्ती टीम इलाके में पेट्रोलिंग कर रही थी। इस दौरान उन्हें सूचना मिली कि विजय नगर स्थित पुराने शीतला माता मंदिर के पास एक व्यक्ति हाथ में हथियार लेकर हुडदंग कर रहा है। पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची, जहां उन्होंने एक युवक को हाथ में तलवार लेकर गाली-गलौज करते देखा। पुलिस ने उसे घेरकर हिरासत में लिया और उसके पास से लोहे की पुरानी तलवार जब्त की। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम चंद्रेश बलीराम वर्मा (उम्र 24 वर्ष) राहुल गांधी नगर, चिखली झोपड़पट्टी, निवासी बताया जिसे तत्काल गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, आरोपी किसी गंभीर अपराध की योजना के तहत हथियार लेकर सार्वजनिक स्थान पर हंगामा कर रहा था और उसने मनाई आदेशों का उल्लंघन भी किया है। इस मामले में कलमना पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ धारा 4/25 तथा महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम की धारा 135 के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की गई है।

एलओसी पार कर पाक पहुंची नागपुर की महिला भारत लौटी

नागपुर.

नागपुर की रहने वाली सुनीता, जो हाल ही में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर पाकिस्तान पहुंच गई थीं, अब भारत लौट आई हैं। उनकी वापसी के साथ ही नागपुर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है कि महिला ने पाकिस्तान कैसे पार किया और वहां जाने का उद्देश्य क्या था। पुलिस इस मामले को गंभीरता से ले रही है, क्योंकि यह मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा हो सकता है। पुलिस उपायुक्त निकेतन कदम ने जानकारी दी कि कपिल नगर थाने से एक टीम, जिसमें एक अधिकारी और दो महिला कांस्टेबल शामिल थीं, को सुनीता को लाने के लिए अमृतसर भेजा गया था। अमृतसर में बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजरों के बीच फ्लैग मीटिंग के बाद महिला को भारतीय अधिकारियों को सौंप दिया गया। कदम ने बताया, "सुनीता से नागपुर लौटने पर विस्तृत पूछताछ की जाएगी। हम यह जांच करना चाहते हैं कि क्या वह किसी जासूसी या अन्य गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल थीं।" लद्दाख के पुलिस महानिदेशक डॉ. एस. डी. सिंह जमवाल ने पहले जानकारी दी थी कि एलओसी पार करने से पहले सुनीता की पाकिस्तान के नागरिकों से बातचीत चल रही थी, जो जांच के लिहाज़ से एक गंभीर संकेत है। इस मामले में अमृतसर पुलिस ने एक ज़ीरो एफआईआर दर्ज की है, जिसे अब नागपुर के कपिल नगर थाने को ट्रांसफर किया जाएगा, क्योंकि सुनीता वहीं की स्थायी निवासी हैं। सूत्रों के अनुसार, सुनीता मानसिक रूप से अस्थिर थीं और हाल के दिनों में भावनात्मक तनाव से गुजर रही थीं। पहले वह नागपुर के एक अस्पताल में नर्स थीं, लेकिन बाद में उन्होंने घर-घर जाकर कपड़े बेचने का काम शुरू कर दिया था। उनके परिवार ने भी पुष्टि की है कि वे मानसिक उपचार के दौर से गुजर रही थीं। सुनीता के बेटे को, उनकी गुमशुदगी के बाद, बाल कल्याण समिति (सीडब्लूसी) ने अपने संरक्षण में ले लिया था। अब महिला के भारत लौटने के बाद उनके बेटे को मां के पास सौंपे जाने की प्रक्रिया भी शुरू हो सकती है, बशर्ते सुनीता की मानसिक स्थिति स्थिर पाई जाए। भारत-पाकिस्तान सीमा पार करने की घटनाएं संवेदनशील मानी जाती हैं और दोनों देशों के सुरक्षा बलों के बीच समन्वय से ही नागरिकों की वापसी संभव होती है। ऐसे मामलों में पूरी प्रक्रिया बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजर्स के बीच संवाद के जरिये तय होती है। फिलहाल पुलिस सुनीता से पूछताछ कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उनकी पाकिस्तान यात्रा पूर्व नियोजित थी या मानसिक अस्थिरता का परिणाम। जांच के बाद ही मामले की पूरी सच्चाई सामने आ सकेगी।

स्वीडन के महावाणिज्य दूत ने मनपा आयुक्त से की शिष्टाचार भेंट

नागपुर.

मुंबई में स्वीडन वाणिज्य दूतावास के महावाणिज्यदूत स्वेन ओस्टबर्ग ने मनपा आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर मनपा की अतिरिक्त आयुक्त वसुमना पंत, अतिरिक्त आयुक्त वैष्णवी बी. आईबीएन की रूपाली देशमुख-करंगेले एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर मनपा आयुक्त डॉ. अभिजीत चौधरी ने स्वेन ओस्टबर्ग का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। इस यात्रा के दौरान महावाणिज्यदूत स्वेन ओस्टबर्ग ने नागपुर शहर में स्वीडन के सहयोग से उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना पर चर्चा की। स्वीडिश नवाचार एजेंसी विनोवा ने आईवीएल स्वीडन पर्यावरण अनुसंधान संस्थान के माध्यम से भारत में सतत शहरी विकास के लिए स्वीडन-भारत उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना पर एक अध्ययन किया था। रूपाली देशमुख ने कहा कि नागपुर ने इस परियोजना के लिए बहुत सकारात्मक रुख अपनाया है और यह शहर भविष्य में सतत शहरी विकास के लिए एक मॉडल बन सकता है। देशमुख ने कहा, 'हमारा उद्देश्य स्वीडन प्रौद्योगिकी और नवाचार का लाभ उठाकर जल, अपशिष्ट और ऊर्जा प्रबंधन में समाधान तैयार करना है, जो भारत के अन्य शहरों के लिए भी मार्गदर्शक का काम करेगा।'

स्वीडन के महावाणिज्यदूत स्वेन ओस्टबर्ग ने भी नागपुर की प्रशंसा करते हुए कहा, 'यह नागपुर की मेरी पहली यात्रा है। इस शहर के समृद्ध इतिहास, शैक्षिक बुनियादी ढांचे और बढ़ती आर्थिक क्षमता को देखते हुए, नागपुर निश्चित रूप से एक बड़ी सफलता के कगार पर है।'

नगर आयुक्त और प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी ने कहा कि प्रस्तावित उत्कृष्टता केंद्र नाग नदी के पुनरुद्धार के लिए निर्णायक हो सकता है। उन्नत स्वीडिश तकनीक का उपयोग करके अपशिष्ट जल उपचार, पारिस्थितिक पुनरुद्धार, पायलट परियोजनाओं के कार्यान्वयन, प्रशिक्षण और वास्तविक समय की निगरानी जैसी गतिविधियों पर जोर दिया जाएगा।

यह परियोजना केवल नागपुर तक सीमित नहीं, बल्कि सतत शहरी विकास के लिए भारत और स्वीडन के बीच सहयोग का एक मॉडल हो सकती है। इससे नागपुर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक अलग पहचान मिलने की संभावना है, साथ ही इससे लंबी अवधि में स्थानीय अर्थव्यवस्था, अनुसंधान और प्रौद्योगिकी क्षेत्र को भी फायदा होगा।

तेज रफ्तार ऑटो की टक्कर से दो युवक घायल, चालक गिरफ्तार

नागपुर. नवीन कामठी थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा दिनांक 28 मई 2025 को रात करीब 12:45 बजे के आसपास लाइफलाइन हॉस्पिटल के पास स्थित बड़े नाले के समीप हुआ। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रवि नगर, समृद्धि विहार निवासी अरंजु देवराव वासनिक (उम्र 27) अपने मित्र हिमांशु घोषी उर्फ यादव (उम्र 24) यादव नगर, कामठी निवासी के साथ मोटरसाइकिल (क्रमांक एम एच 40 एव्ही 5737) से जा रहे थे। उसी दौरान नागपुर निवासी विदेश प्रविण काकडे द्वारा चलाये गए तेज रफ्तार थ्री-व्हीलर ऑटो (क्रमांक एम एच 31 वीएस 3581) से मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अरंजु वासनिक को तत्काल इलाज के लिए लाइफलाइन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

विवाद में सब्बल से हमला, आरोपी को 6 महीने की सजा

नागपुर.

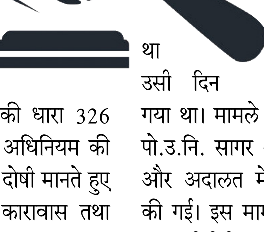

जिला सत्र न्यायालय के प्रथम श्रेणी न्यायदंडाधिकारी वाय.एच. गजभिये की अदालत ने बुधवार को सक्करधरा पुलिस थाना अंतर्गत दर्ज एक मारपीट के मामले निर्णय सुनाते हुए पड़ोसी के साथ हुए विवाद में सिर पर सब्बल से हमला करने वाले आरोपी को दोषी ठहराया। प्रकरण के अनुसार, आरोपी गुरुदेव प्रेम उर्फ प्रेमचंद कोडवेती (उम्र 20 वर्ष, प्लॉट क्रमांक 82, मोहित नगर, बहादुरा निवासी को भारतीय दंड संहिता की धारा 326 तथा महाराष्ट्र पोलीस अधिनियम की धारा 135 के अंतर्गत दोषी मानते हुए 6 महीने की सश्रम कारावास तथा 20,000 का जुर्माना लगाया गया है। जुर्माना न भरने की स्थिति में उसे अतिरिक्त एक माह की साधारण कारावास भुगतना होगा। यह मामला 8 अगस्त 2022 को घटित हुआ था, जब सुबह लगभग 8:30 बजे शिकायतकर्ता अरविंद केवलराम रंगारी (उम्र 45 वर्ष, प्लॉट क्रमांक 79, मोहित नगर, बहादुरा निवासी व आरोपी के बीच विवाद हो गया। आरोप है कि आरोपी अपने घर के बगल के प्लॉट से पानी निकाल रहा था, जो सीधे शिकायतकर्ता के घर के सामने जमा हो रहा था। इस पर आपत्ति जताने पर विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी ने अपने पास मौजूद सब्बल से अरविंद रंगारी के सिर पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस संबंध में सक्करदरा पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया था और आरोपी को उसी दिन रात गिरफ्तार किया गया था। मामले की जांच तत्कालीन पो.उ.नि. सागर अरबट द्वारा की गई और अदालत में चार्जशीट दाखिल की गई। इस मामले में सरकारी पक्ष का प्रतिनिधित्व अधिवक्ता समीर एम. ढुंगे ने किया, जबकि बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता. मारशेट्टीवार ने पैरवी की। कोर्ट पैरवी अधिकारियों में पो.ह.वा. हरीश चंदनखेडे एवं म.पो.अं. शिल्पा ईटनकर ने भूमिका निभाई।

कामठी में हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

नागपुर.

नविन कामठी पुलिस ने बुधवार देर रात एक युवक को घातक शस्त्र के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस पेट्रोलिंग के दौरान रमा नगर रोड स्थित पुल के पास युवक के हथियार के साथ घूमने की सूचना पर मौके पर पहुंची।

पुलिस को देख आरोपी भागने की कोशिश करने लगा, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से लगभग 500 रुपये कीमत का लोहे का चाकू बरामद किया गया।

पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम कुंदन गौतम हिरे (उम्र 26 वर्ष), गवलीपुरा, कामठी, निवासी बताया। पुलिस के अनुसार आरोपी यह शस्त्र किसी गंभीर अपराध की मंशा से लेकर चल रहा था और उसने सार्वजनिक स्थान पर शस्त्र प्रदर्शन कर मनाई आदेशों का उल्लंघन किया। नविन कामठी थाने में आरोपी के मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। जांच जारी है।

राशन दुकानदारों का कमीशन रामभरोसे, पांच माह से नहीं मिला भुगतान

सरकार की निष्क्रियता पर उठ रहे सवाल, दुकानदारों की आजीविका संकट में

सावनेर.

सावनेर तहसील के लगभग 111 सरकारी राशन दुकानदार पिछले पांच माह से अपने कमीशन के भुगतान से वंचित हैं। यह गंभीर मुद्दा तब सामने आया है जब राज्य में ट्रीपल इंजन सरकार बड़े-बड़े वादों और योजनाओं के साथ सत्ता में बनी हुई है, लेकिन जमीनी स्तर पर सरकारी प्रणाली की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े हो रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, इन दुकानदारों को बीते पांच से छह महीनों से मुफ्त राशन का वितरण तो अनिवार्य रूप से करने का आदेश दिया गया है, लेकिन उनके मेहनताने के रूप में मिलने वाला कमीशन अभी तक नहीं दिया गया। अधिकतर दुकानदारों की आजीविका पूरी तरह से इसी कमीशन पर निर्भर है, ऐसे में उनका जीवन यापन करना बेहद कठिन हो गया है।

चुनाव से पहले घोषणाएं, बाद में खजाना खाली

राज्य सरकार ने चुनाव से पहले लाडली बहना योजना जैसी योजनाओं के जरिए करोड़ों रुपये खर्च कर मतदाताओं को प्रभावित किया, लेकिन अब वही सरकार राशन दुकानदारों के कमीशन भुगतान के लिए धन की कमी का बहाना बना रही है। दुकानदारों का आरोप है कि उन्हें हर बार सिर्फ आश्वासन ही मिल रहा है। एक महीने का कमीशन देने के बाद कहा जाता है कि अगले महीने तीन माह का भुगतान किया जाएगा, लेकिन स्थिति जस की तस बनी हुई है।

जो आवाज उठाएगा, उस पर कार्रवाई की धमकी

दुकानदारों का यह भी कहना है कि अगर कोई इस मुद्दे पर खुलकर आवाज उठाता है, तो उस पर प्रशासनिक कार्रवाई की धमकी दी जाती है। तहसील कार्यालय द्वारा ऐसे दुकानदारों के खिलाफ कोई न कोई बहाना निकाल कर उनकी दुकान पर कार्रवाई की जाती है, जिससे उनके परिवार की रोज़ी-रोटी पर संकट खड़ा हो जाता है। इसी डर के चलते कई दुकानदार चुप्पी साधे हुए हैं और सिर्फ उम्मीद पर टिके हैं।

सरकार का नया आदेश और दुकानदारों की मांग

अब सरकार ने जून महीने में ही जून, जुलाई और अगस्त के तीन महीने का राशन एकसाथ वितरित करने का आदेश जारी किया है। ऐसे में राशन दुकानदारों की मांग है कि पिछले पांच महीने और आगामी तीन महीनों यानी कुल आठ महीने का कमीशन एक साथ दिया जाए, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण कर सकें और राशन वितरण प्रणाली भी बाधित न हो।

यह मुद्दा अब न केवल दुकानदारों की आजीविका से जुड़ा है, बल्कि सरकारी तंत्र की निष्क्रियता और संवेदनहीनता को भी उजागर करता है। यदि समय रहते सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया, तो आने वाले समय में राशन वितरण व्यवस्था पूरी तरह चरमरा सकती है।

किसानों से अपील: मानसून आने तक बुआई न करें: पीयूष चिवंडे

कोंढाली.

नागपुर जिले के काटोल क्षेत्र में इन दिनों प्री-मानसून की बारिश देखने को मिल रही है, लेकिन यह बारिश अनियमित और अस्थिर है।

ऐसे में किसानों को फसलों की बुआई को लेकर जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। यह अपील उपविभागीय अधिकारी पीयूष चिवंडे ने किसानों से की है।

उन्होंने बताया कि कृषि विभाग की सिफारिशों के अनुसार, बुआई का काम तभी शुरू करना चाहिए जब मानसून पूरी तरह सक्रिय हो जाए। यदि वर्तमान अस्थिर बारिश में बुआई की जाती है, तो फसलों पर कीट लगने का खतरा बना रहता है। साथ ही बारिश की अनियमितता के कारण दोबारा बुआई करनी पड़ सकती है, जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ सकता है।

उपविभागीय अधिकारी चिवंडे ने किसानों से अपील करते हुए कहा कि अभी खेतों की जुताई पर ध्यान दें और स्थायी मानसून का इंतजार करें। सही समय पर बुआई करने से ही अच्छी पैदावार और बेहतर लाभ संभव है।

येरखेड़ा में अहिल्याबाई होलकर जन्मशताब्दी पर ग्राम स्वच्छता और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

कामठी.

महान शासक और जनता के लिए समर्पित जीवन जीने वाली पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होळकर का जन्मशताब्दी वर्ष येरखेडा के ग्रामीणों ने बड़े उत्साह और भक्ति के साथ मनाया। राजस्व मंत्री व पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले के मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक और धार्मिक गतिविधियां आयोजित की गईं। कार्यक्रम की शुरुआत ग्राम स्वच्छता अभियान से हुई। गांव के नागरिकों ने एक साथ आकर परिसर की सफाई कर अहिल्याबाई के कार्यों की यादें ताज़ा कीं। अहिल्याबाई होळकर ने शासन के साथ-साथ जन कल्याण के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया था, उनके कार्यों से प्रेरणा लेते हुए ग्रामीणों ने यह अभिनव श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद नागेश्वर नाग मंदिर (दुर्गा सोसायटी, येरखेडा) में शिव अभिषेक और आरती संपन्न हुई। अहिल्याबाई के शिव भक्ति के प्रति अटूट प्रेम को पहचानते हुए, उनकी स्मृति में मंदिर में धार्मिक वातावरण में शिव पूजन किया गया। कई भक्तों ने इस धार्मिक विधि में भाग लिया और श्रद्धापूर्वक प्रार्थना की। इस कार्यक्रम में किसान मोर्चा प्रदेश सचिव आशीष वंजारी, कामठी मंडल अध्यक्ष ब्रह्मा काले, अनुसूचित जाति कामठी मंडल अध्यक्ष राजकिरण बर्वे, पूर्व उपसरपंच मंदा महाले, राकेश काले, सरिता भोयर, राहुल शर्मा, घनश्याम गुज्जेवार, रेणुका गुज्जेवार, श्रीनाथ गुप्ता, नागोस काकाजी, गड़े काकाजी, नंदूजी शेन्द्र, योगेश वाल्के, संजय सोनवाने, मनीष भाटी, राहुल परदेसी, आशीष पालकर, कुणाल येरने, आकाश परदेसी, विलास पाटील, कुणाल गड्डमवार, संदीप जलपुरे, गडे काकाजी और नागेश्वर मंदिर के सभी भक्तगण उपस्थित थे।

एनसीसी शिविर में मेजर हेमंत जकाते स्कूल का उत्कृष्ट प्रदर्शन

कामठी.

सीएटीसी-602 एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर 3 महा. इंजी. कं.एनसीसी नागपुर द्वारा हाल ही में हेटी सुरला सावनेर में आयोजित किया गया था।

मेजर हेमेंत जकाते स्कूल के कैडेट्स ने इस वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया और उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सफलता हासिल की। कैडेटों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त किए। बेस्ट कैडेट स्वर्ण पदक कैडेट यथार्थ मोहतुरे द्वारा प्राप्त किया गया। बेस्ट म्युजिक इन्स्टुनमेंट प्लेअर स्वर्ण पदक कैडेट ओम हटवारने प्राप्त कीया। कंपनी कमांडर गोल्ड मेडल कैडेट यथार्थ मोहतुरेने प्राप्त कीया। सर्वश्रेष्ठ एकल डांस गोल्ड मेडल कैडेट तन्वी झाडे द्वारा जिता गया। सर्वश्रेष्ठ सांस्कृतिक ट्रॉफी कैडेट यशस्विनी ढोके, रिया रत्नपारखी, रोशनी आसकर, रक्षंदा निंबूरकर, सज़िया शेख, मृनाली मौदेकर के द्वारा जिती गयी। सफलता प्राप्त कैडेट्स ने अपनी सफलता का श्रेय एनसीसी अधिकारी अमित मुदगल और एस. ए. झाडे को दिया। स्कूल के निदेशक मधुसुदन मुडे, प्रिंसिपल शिला मुडे और कमांडिंग ऑफिसर कर्नल सी. एस. सोलंकी द्वारा कॅडेट्स का सन्मान किया गया।

रमानगर रेलवे ओवरब्रिज का काम दो महीने में पूरा करें : एड. कुंभारे

लोक निर्माण विभाग, रेलवे अधिकारियों, एजेंसी को दिये निर्देश

कामठी.

नविन कामठी के साथ-साथ विश्वविख्यात ड्रैगन पैलेस टेंपल, कई शिक्षण संस्थानों, दादासाहेब कुंभारे बीड़ी कामगार वसाहत, कई ग्रामों आदि को जोड़ने वाले रमानगर ओवरब्रिज का काम पिछले 5 सालों से रुका हुआ है, जिससे लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अक्टूबर महीने में धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस के अवसर पर लाखों की संख्या में बौद्ध अनुयायी देश के कोने-कोने से नागपुर स्थित दीक्षाभूमि के साथ-साथ विश्वविख्यात ड्रैगन पैलेस टेंपल आते हैं, इसलिए धम्मचक्र प्रवर्तन दिवस से पहले रमा नगर ओवरब्रिज का काम पूरा करके लोगों के लिए खोला जाए, ऐसे निर्देश संबंधित अधिकारियों को ओगावा सोसाइटी की अध्यक्षा और पूर्व राज्य मंत्री एड. सुलेखा कुंभारे ने दिए।

ज्ञात हो कि रमानगर ओवरब्रिज के निर्माण में आने वाली बाधाओं को दूर करने के संबंध में सोमवार 26 मई को रविभवन नागपुर में एड. सुलेखा कुंभारे की पहल पर एक बैठक आयोजित की गई।

निर्माण ठेकेदार ने बैठक के दौरान अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए कहा कि रेलवे ट्रैक पर गर्डर रखने के लिए रेलवे यातायात को कम से कम 3 से 4 घंटे रोकने का अनुरोध रेलवे अधिकारियों से कई बार किया गया, लेकिन रेलवे ब्लॉक न मिलने के कारण आगे के काम में बाधा आ रही है। इस संदर्भ में, एड. सुलेखा कुंभारे ने उपस्थित रेलवे अधिकारियों और निर्माण ठेकेदार को निर्देश दिए कि रेलवे प्रशासन वरिष्ठ अधिकारियों से आवश्यक अनुमति लेकर 7 जून 2025 तक रेलवे ब्लॉक करे और गर्डर स्थापित करने का काम पूरा करे।

यह उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी रमानगर ओवरब्रिज का काम पूरा करने के संबंध में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के साथ एड. सुलेखा कुंभारे के अनुरोध पर दो बैठकें आयोजित की गई थीं। केंद्रीय मंत्री ने भी रमानगर ओवरब्रिज का काम पूरा न होने पर नाराजगी व्यक्त की थी। बैठक में लोक निर्माण विभाग की ओर से जनबंधु सर, रेलवे प्रशासन की ओर से शशांक कुलश्रेष्ठ और निर्माण एजेंसी से विजयवर्गीय सर उपस्थित थे।

बोगस मज़दूरों के नाम पर लाखों की हेराफेरी

वलनी सर्कल की ग्राम पंचायत में भ्रष्टाचार का पर्दाफाश, जिला परिषद सीईओ से जांच की मांग

नागपुर.

वलनी सर्कल की एक ग्राम पंचायत में बोगस मज़दूरों के नाम पर फर्जी बिल बनाकर लाखों रुपए के सरकारी फंड की हेराफेरी का मामला सामने आया है। सतर्क नागरिकों ने इस गंभीर भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

विशेष बात यह है कि यह मामला केवल एक ग्राम पंचायत तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे जिले की कई ग्राम पंचायतों में इसी तरह से सरकारी निधि के दुरुपयोग की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, यह गड़बड़ी वर्ष 2015-16 से विभिन्न योजनाओं के नाम पर की जा रही है।

सावनेर तालुका की एक ग्राम पंचायत में 15वें वित्त आयोग के तहत प्राप्त नागरिक एवं सामान्य सुविधा निधि से किए गए कार्यों — जैसे सीमेंट सड़क निर्माण, भूमिगत नाली, आंगनवाड़ी भवन, स्ट्रीट लाइट की मरम्मत तथा जिला परिषद स्कूलों में पेवर ब्लॉक बिछाने जैसे कार्यों में बोगस मज़दूरों के नाम पर लाखों रुपए की राशि निकालने का आरोप है। सबसे गंभीर बात यह है कि इन सभी कार्यों के लिए वैध निविदा प्रक्रिया को दरकिनार करते हुए केवल एक ही फर्म को ठेका दिया गया। यह फर्म संदिग्ध पाई गई है क्योंकि उसके मालिक के परिवार के सदस्यों — जैसे पत्नी, मां, भाई, भाभी और भतीजे — के नाम पर मज़दूरी दिखाकर भुगतान किया गया। इसी फर्म के नाम पर विभिन्न मरम्मत कार्यों के नाम पर भी लाखों की राशि निकाली गई है। यह न सिर्फ नियमों का उल्लंघन है, बल्कि ग्रामीण विकास के साथ सीधा धोखा है। विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, जिले की अन्य ग्राम पंचायतों में भी इसी तरह की अनियमितताओं की चर्चा है। कई स्थानों पर बड़े परिवारों के सदस्यों के नामों का उपयोग बोगस मज़दूरों के तौर पर किए जाने की जानकारी सामने आई है। जांच आगे बढ़ने पर और बड़े खुलासे होने की उम्मीद जताई जा रही है। वलनी के एक सामाजिक कार्यकर्ता ने जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को इस मामले की गंभीरता से जांच करने की मांग करते हुए, ऑनलाइन रिकॉर्ड और वित्तीय लेनदेन की विस्तृत समीक्षा की अपील करते हुए लिखित शिकायत सौंपी है।

ग्रामीण विकास के नाम पर हो रहे इस व्यापक भ्रष्टाचार की तत्काल जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए — यह नागरिकों की प्रमुख मांग है। साथ ही, ग्राम पंचायतों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए कार्यों की निरंतर निगरानी की आवश्यकता बताई जा रही है।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर 31 मई को होगा कार्यक्रम

नागपुर. राष्ट्रसंत तुकड़ोजी कैंसर अस्पताल में आगामी 31 मई को "विश्व तंबाकू निषेध दिवस" के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन सुबह 8:30 बजे किया जाएगा।

कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8:30 बजे अस्पताल परिसर में एक नाट्य प्रस्तुति और जागरूकता रैली के साथ होगी। इसके बाद मुख्य कार्यक्रम सुबह 9:30 बजे दादा विक्योमल श्रॉफ हॉल में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अस्पताल के मानद सलाहकार डॉ. बी.के. शर्मा ने मीडिया से अपील की है कि वे इस महत्वपूर्ण अवसर की कवरेज हेतु अपने प्रतिनिधि भेजें, जिससे तंबाकू निषेध के संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जा सके।

उमरेड में प्लास्टिक विरोधी जनजागृति

उमरेड. "विश्व स्तर पर प्लास्टिक प्रदूषण का अंत करें" इस उद्देश्य को लेकर महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल व 'मेरी वसुंधरा अभियान 6.0' के अंतर्गत उमरेड नगर परिषद और गोदरेज फीडबैक फाउंडेशन द्वारा 22 मई से 5 जून तक "प्लास्टिक को पर्याय" नामक जनजागृति मुहिम चलाई जा रही है। यह अभियान 22 मई से शुरू किया गया है और इसके अंतर्गत 26 मई, सोमवार को उमरेड शहर के भीसी नाका चौक व बाजार क्षेत्र में दुकानदारों, फल व सब्जी विक्रेताओं को एकल-उपयोग (सिंगल यूज) प्लास्टिक के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान ग्राहकों को भी जागरूक किया गया और आई.ई.सी. टीम द्वारा कागज, कपड़े के बैग और अन्य पर्यावरण मित्र विकल्प सुझाए गए। अभियान को सफल बनाने में नगर परिषद की मुख्याधिकारी अर्चना मेंढे, उपमुख्याधिकारी धनराज पाटिल, स्वास्थ्य निरीक्षक दिलीप चव्हाण, शहर समन्वयक येरिका ताजने एवं स्वच्छता विभाग के अन्य कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा।

मुहिम के तहत गोदरेज फीडबैक फाउंडेशन की टीम प्रतिदिन विभिन्न उपक्रमों के माध्यम से नागरिकों को एकल-उपयोग प्लास्टिक से होने वाले खतरों के बारे में जागरूक कर रही है। साथ ही, नागरिकों को पर्यावरण के अनुकूल जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। अभियान का मुख्य उद्देश्य प्लास्टिक बैग की जगह कपड़े की थैलियों और कागज के लिफाफों का उपयोग बढ़ाना है। यह जनजागृति अभियान नागरिकों में व्यवहारिक बदलाव लाने और स्वच्छ, हरे-भरे व सतत भविष्य की ओर एक ठोस कदम है.

जलतारा अभियान का जैतपुर गांव में हुआ शुभारंभ

पहले गड्ढे की खुदाई से हुई शुरुआत

सावनेर.

सावनेर तहसील के सूखा प्रभावित गांवों में जलस्तर बढ़ाने के उद्देश्य से शुरू किए गए जलतारा अभियान का शुभारंभ बुधवार को जैतपुर गांव में हुआ। इस अभियान के तहत गांव को जल समृद्ध बनाने के लिए जलसंवर्धन की दिशा में पहला कदम उठाया गया।

सुबह 8:30 बजे गांव के मंदिर में गुरु पूजा के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके पश्चात जलतारा अभियान के तहत पहले गड्ढे की खुदाई का कार्य आरंभ किया गया। जैतपुर गांव के किसान मारोती सातपुते ने यह पहला गड्ढा खोदकर शुरुआत की, जिन्हें मिठाई खिलाकर सम्मानित भी किया गया। गांव के किसानों और ग्रामीणों ने जलतारा स्वयंसेवकों का गर्मजोशी से स्वागत किया और अभियान में पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।

ग्रामीणों ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि इस अभियान से गांव में जलस्तर बढ़ेगा और जल संकट की समस्या से राहत मिलेगी। उन्होंने स्वयंसेवकों के प्रति आभार जताते हुए कहा कि उनके अथक प्रयासों से गांव में खुशहाली लौटेगी। इस अवसर पर जलतारा अभियान के स्वयंसेवक मदन डहाके, भूषण कुबड़े, भाऊसाहेब गोतमारे, अभिषेक गहरवार, वत्सल बांगरे, महेश टेकाड़े, किशोर जुमड़े, भुनेश्वर बोबडे, और मारोती, लीलाधर व शुभम सातपुते, नवल अलगारे और विशाल खोंडे उपस्थित थे। साथ ही जैतपुर गांव के कई ग्रामीण भी इस पहल में शामिल हुए।

जलतारा स्वयंसेवकों की इच्छाशक्ति और समर्पण ने यह स्पष्ट कर दिया है कि उनका लक्ष्य सिर्फ खुदाई नहीं, बल्कि एक सूखा प्रभावित गांव को जल-समृद्ध बनाना है। यह पहल न केवल पर्यावरण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि ग्रामीणों के जीवन में नई आशा का संचार भी कर रही है।

कोंढाली बस स्टेशन पर 27 जून तक यात्री सेवा बहाल करने की मांग तेज़

विद्यार्थियों के लिए समय पर बस सेवा नियोजन और अतिरिक्त ट्रैफिक कंट्रोलर की नियुक्ति की मांग

कोंढाली.

नागपुर-अमरावती महामार्ग पर स्थित कोंढाली बस स्टेशन का आधुनिकीकरण कार्य पिछले छह महीनों से जारी है, जिसके चलते यात्रियों को बस स्टेशन के बजाय हाईवे के सर्विस रोड पर बस पकड़नी पड़ रही है। इस कारण यात्रियों को गर्मियों की चिलचिलाती धूप में परेशानी झेलनी पड़ी और अब बारिश के मौसम में भी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

स्कूलें 26 जून से शुरू हो रही हैं, और इसी के मद्देनज़र स्थानीय नागरिकों और विद्यार्थियों के अभिभावकों ने 26 जून तक बस स्टेशन पर यात्री सेवा बहाल करने की पुरजोर मांग की है। नागपुर और अमरावती क्षेत्र प्रबंधकों, निर्माण अधिकारियों, एसटी महामंडल के उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक से इस दिशा में त्वरित कार्यवाही की अपेक्षा की गई है।

विद्यार्थियों के लिए समय पर पास और बस सेवा आवश्यक

कोंढाली बस स्टेशन से प्रतिदिन 442 बसें 43 गांवों को जोड़ती हैं। यहां से स्कूल, कॉलेज, आईटीआई, टाइपिंग, सिलाई आदि प्रशिक्षण संस्थानों के लिए 1785 से अधिक विद्यार्थी आते-जाते हैं।

अभिभावकों ने मांग की है कि विद्यार्थियों को समय पर रियायती यात्रा पास उपलब्ध कराने और सुचारु सेवा के लिए कम से कम दो अतिरिक्त ट्रैफिक कंट्रोलर नियुक्त किए जाएं।

वर्तमान में बस स्टेशन पर केवल एक ट्रैफिक कंट्रोलर कार्यरत है, जो लॉगशीट में आगमन और प्रस्थान का विवरण भरता है। छात्रों के पास वितरण, लॉगशीट एंट्री और ट्रैफिक नियंत्रण जैसे कार्यों को अकेले संभालना संभव नहीं है।

बसें स्टेशन पर नहीं रुकतीं, यात्री जोखिम में

कोंढाली एक व्यस्त बस स्टैंड है, लेकिन कई शिवशाही और साधारण बसें बिना रुके निकल जाती हैं, जिससे यात्रियों को हाईवे पर जान जोखिम में डालकर सड़क पार करनी पड़ती है। कई बसें 400 मीटर दूर पेट्रोल पंप पर रुकती हैं, जो असुविधाजनक और असुरक्षित है।

एनएचएआई और डिपो को निर्देश देने की मांग

स्थानीय नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एनएचएआई अधिकारियों से आग्रह किया है कि वे बस चालकों और ट्रांसपोर्टरों को कोंढाली बस स्टेशन तक बसें लाने के स्पष्ट निर्देश दें।

विधायक से हस्तक्षेप की मांग

विद्यार्थियों और अभिभावकों ने विधायक चरण सिंह ठाकुर से मांग की है कि वे इस विषय पर महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करें और कोंढाली, काटोल, नरखेड, जलालखेड़ा, मोवाड जैसे क्षेत्रों के लिए बेहतर बस योजना तैयार करवाएं।

स्थानीय नागरिकों का समर्थन

इस आंदोलन को कोंढाली के स्वप्निल व्यास, भाजपा मंडल अध्यक्ष निखील जयस्वाल, मानवाधिकार परिषद अध्यक्ष बबलू बिसेन सहित कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और नागरिकों का समर्थन प्राप्त है। सभी की मांग है कि नागपुर-अमरावती की सभी बसें कोंढाली बस स्टेशन पर अनिवार्य रूप से रुकें।

जलजीवन मिशन योजना के लंबित कार्यों को तुरंत पूरा करें: जिलाधिकारी विकास मीना

यवतमाल.

जिले में जलजीवन मिशन के कई काम लंबित हैं। इन कामों को तुरंत पूरा करें। कामों के लिए फंड न होने का कोई कारण नहीं बताया जा सकता। इन कारणों से काम रोकने वाले ठेकेदारों के भुगतान रोकें। पहले अच्छे काम करने वाले ठेकेदारों का भुगतान करें, ऐसा निर्देश जिला कलेक्टर विकास मीना ने दिया।

जिला कलेक्टर ने राजस्व भवन में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की समीक्षा की। वे इस समय बोल रहे थे। बैठक में जल एवं स्वच्छता विभाग के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश नाटकर, जिला परिषद जल आपूर्ति विभाग के कार्यकारी अभियंता नीलेश कालबांडे, महाराष्ट्र जीवन प्राधिकरण के कार्यकारी अभियंता प्रफुल्ल व्यावरे, बिजली वितरण के कार्यकारी अभियंता खंगार, जिला स्वास्थ्य अधिकारी मेघराज पुरम और विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

जल जीवन मिशन के तहत ठेकेदारों को उनकी आर्थिक क्षमता देखकर ही काम दिए गए हैं। इसलिए ठेकेदार धन की कमी का बहाना बनाकर काम बंद नहीं कर सकते। उन्हें निरंतर काम करते रहना चाहिए।

जिन ठेकेदारों ने सरकार से धन प्राप्त करने के बाद इस बहाने काम बंद कर दिया है, उनका बकाया और अग्रिम भुगतान न करें। जिन्होंने धन की समस्या बताए बिना काम कर दिया है, उनका बकाया भुगतान करें। बकाया भुगतान के संबंध में दिशा-निर्देश तय करें और उसके अनुसार भुगतान करें, ऐसा जिला कलेक्टर ने कहा।

जिले में लंबित कार्यों में तेजी लाना जरूरी है। अगली बैठक में उपखंडवार प्रगति की समीक्षा की जाएगी। उपयंत्रियों को इस समय प्रगति दिखानी होगी। काम करते समय पानी की टंकी और कुओं का काम पहले करें। जिला कलेक्टर ने विभाग को निर्देश दिए कि वे ऐसे प्रयास करें कि नागरिकों को इन योजनाओं के माध्यम से जल्द से जल्द पानी मिले।

जल जीवन मिशन योजना के तहत जिले में 1 हजार 539 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। इनमें से 263 कार्य पूरे हो चुके हैं। योजना के माध्यम से हर नल से जल की अवधारणा को क्रियान्वित किया जा रहा है।

जिला कलेक्टर ने दिया सुझाव

जिले में 5 लाख 22 हजार 884 परिवार हैं, जिनमें से 4 लाख 20 हजार परिवारों को नल कनेक्शन दिए जा चुके हैं। बैठक में कार्यपालन यंत्री नीलेश कालबांडे ने बताया कि 1 लाख 2 हजार परिवारों को कनेक्शन दिए जाने बाकी हैं। जिले में सभी जल आपूर्ति स्रोतों का मानसून से पहले नमूने लेकर निरीक्षण किया जाता है। नमूनों की रिपोर्ट के आधार पर पानी की गुणवत्ता सुधारने के उपाय किए जाते हैं। जिले में नल योजनाओं के 3 हजार 552 स्रोत हैं। इन सभी स्रोतों के नमूने लिए जा चुके हैं। भू-जल सर्वेक्षण विभाग को इन स्रोतों का तत्काल विश्लेषण करना चाहिए। जिन स्थानों पर निरीक्षण कार्य कम है, वहां संबंधितों को अतिरिक्त उद्देश्य देकर निरीक्षण किया जाना चाहिए, ऐसा जिला कलेक्टर ने सुझाव दिया।

सकल धनगर समाज मनाएगा अहिल्यादेवी होलकर की 300वीं जयंती

> मेधावी विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त सैनिकों का होगा सम्मान

आर्वी.

सकल धनगर समाज की ओर से राष्ट्रमाता पुण्यशेष अहिल्यादेवी होलकर की 300वीं जयंती भव्य रूप से मनाई जाएगी। यह कार्यक्रम शनिवार, 31 मई को आर्वी के रोशन मंगल कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर समाज के मेधावी विद्यार्थियों और सेवानिवृत्त सैनिकों का भी सम्मान किया जाएगा। साथ ही एक मोटरसाइकिल रैली का भी आयोजन किया गया है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कृषक कन्या विद्यालय की सेवानिवृत्त प्रधानाध्यापिका शालिनीताई वालके करेंगी, जबकि उद्घाटन सांसद अमर काले के हाथों संपन्न होगा। विधायक दादाराव केचे एवं विधायक सुमित वानखेड़े मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस आयोजन में तहसील के धनगर समाज के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने पढ़ाई में उत्कृष्ट अंक प्राप्त किए हैं। उन्हें स्मृति चिन्ह और प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया जाएगा। इसके अलावा, सेवानिवृत्त सैनिकों को भी समाज की ओर से सम्मानित किया जाएगा। मोटरसाइकिल रैली की शुरुआत शनिवार को तलेगांव (शा. पं.) मार्ग पर दिनेश राऊत के घर के सामने प्रांगण से होगी, और इसका समापन रोशन मंगल कार्यालय में किया जाएगा। आयोजकों ने राष्ट्रमाता अहिल्यादेवी होलकर के अनुयायियों से आग्रह किया है कि वे इस ऐतिहासिक और प्रेरणादायी कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे सफल बनाएं।

बहुजन समाज के लिए इतिहास और वर्तमान का समन्वय करना आवश्यक: डॉ. विलास काले

वर्धा.

स्थानीय गोविंदनगर राऊत वाड़ी में सत्यशोधक कट्टा पहल के अंतर्गत छत्रपति शाहू महाराज की स्मृति में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन समान विचारधारा वाले संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से किया गया था, जिसका उद्देश्य बहुजन समाज को इतिहास से जोड़ते हुए वर्तमान की चुनौतियों से अवगत कराना था।

इस अवसर पर उपस्थित प्रमुख विचारक डॉ. विलास काले ने कहा कि छत्रपति शाहू महाराज ने समाज में शिक्षा की नींव रखने का कार्य किया। उन्होंने शिक्षा को अनिवार्य बनाया और स्कूल न भेजने पर एक रुपये का जुर्माना लगाकर शिक्षा के प्रति बहुजन समाज की रुचि जागृत की।

साथ ही उन्होंने अपने राज्य में पचास प्रतिशत आरक्षण लागू कर बहुजन समाज को प्रशासनिक अनुभव दिलाने की पहल की, जिसके लिए उन्होंने प्रशिक्षण की भी व्यवस्था की थी।

डॉ. काले ने कहा कि आज भी बहुजन समाज को शिक्षा और प्रशासन से वंचित करने की साजिशें जारी हैं। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि किस प्रकार वर्तमान में यह षड्यंत्र गहराते जा रहे हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बहुजन समाज को इस पर गंभीर चिंतन करना चाहिए।

कार्यक्रम में विषय प्रस्तुति करते हुए डॉ. अशोक चोपड़े ने कहा कि छत्रपति शाहू महाराज के विचार और कार्य आज भी बहुजन समाज के लिए मार्गदर्शक हैं। यदि समाज उनके आदर्शों को आचरण में लाता है, तो वह वर्तमान की समस्याओं का सफलतापूर्वक सामना कर सकता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्र के वरिष्ठ समाजसेवी बाबाराव राऊत ने की। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्राध्यापक नंदकुमार काले और सुधाकर सोनोने को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अर्चना भोमले ने किया तथा आभार प्रदर्शन रोहिणी पाटिल ने किया।

संगोष्ठी में सत्यशोधक समाज के जिला अध्यक्ष गुणवंत डकरे सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे। सभी उपस्थित लोगों ने चर्चा में सक्रिय भागीदारी की और ऐसे कार्यक्रमों की आवश्यकता पर जोर दिया।कार्यक्रम के सफल आयोजन में चंद्रशेखर दंढारे, मीराताई इंगोले, वंदना डेकाटे, राजेंद्र भोमले, पंकज देवड़े, कपिल थुटे, राजेंद्र कलसाइत, संगीता जुमड़े, अर्चना पवार, प्रा. धनंजय सोनटक्के, प्रा. एकनाथ मुरकुटे, किशोर भोमले, विजय भुजाडे, नंदकुमार वानखेडे, अभिजीत भेंडाले आदि का विशेष योगदान रहा।

वेदांत कोलसे ने सीडीएस परीक्षा में देशभर में हासिल किया 366वां स्थान

>हिंगनघाट का नाम किया रोशन

हिंगनघाट.

शहर के शेखापुर (बाई) गांव के निवासी वेदांत प्रभाकर कोलसे ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित संयुक्त रक्षा सेवा परीक्षा में देशभर में 366वां स्थान प्राप्त कर अपने जिले और राज्य का नाम गौरवान्वित किया है। इस बड़ी उपलब्धि के बाद वेदांत अब जल्द ही चेन्नई स्थित ऑफिसर्स ट्रेनिंग अकादमी में अपना प्रशिक्षण शुरू करेंगे और इसके बाद वे सेना में लेफ्टिनेंट के रूप में देश की सेवा करेंगे।

सीडीएस परीक्षा देश की तीनों सेनाओं – थलसेना, वायुसेना और नौसेना – में अधिकारियों की नियुक्ति के लिए आयोजित की जाती है। इस परीक्षा में चयन की प्रक्रिया अत्यंत कठिन मानी जाती है। इस वर्ष देशभर से दो लाख से अधिक छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया, जिसमें से केवल 574 उम्मीदवारों का अंतिम चयन हुआ। वेदांत ने यह सफलता अपने पहले ही प्रयास में हासिल की है, और वह भी बिना किसी ट्यूशन या कोचिंग के। वेदांत की शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी प्रभावशाली रही है। उन्होंने वर्धा के बजाज साइंस कॉलेज से बीएससी (कंप्यूटर) किया और फिर पुणे के आईएमसीसी कॉलेज से एमसीए (प्रोफिशिएंसी) की डिग्री प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। वेदांत को एक निजी कंपनी में नौकरी का प्रस्ताव भी मिला था, लेकिन उन्होंने देश सेवा को प्राथमिकता दी और सेना में शामिल होने का सपना साकार किया। उनके पिता प्रभाकर कोळसे, ग्रामीण विकास संस्थान के अंतर्गत आने वाले विकास विद्यालय, नांदोरी के प्राचार्य पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। एक शिक्षित और अनुशासित वातावरण में पले-बढ़े वेदांत ने दृढ़ निश्चय, कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास के बल पर यह सफलता अर्जित की।

वेदांत का मानना है – "इससे पहले कि कोई और आप पर विश्वास करे, हमें खुद पर विश्वास करना होता है।" उनकी इस सोच और मेहनत ने आज उन्हें वह मुकाम दिलाया है जिसका सपना उन्होंने लंबे समय से देखा था।

सेवाग्राम में तीन दिवसीय संस्कार शिविर का आयोजन

सेवाग्राम.

ग्रामगीताचार्य रामकृष्ण अत्रे महाराज की 75वीं जयंती के उपलक्ष्य में सेवाग्राम में तीन दिवसीय संस्कार शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 30 मई से 1 जून तक हनुमान मंदिर, वरुड़ पुलिस कॉलोनी परिसर में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य बच्चों में संस्कारों का संचार कर उन्हें एक अच्छे नागरिक के रूप में तैयार करना है।

इस शिविर का आयोजन पुलिस कॉलोनी, गुरुकृपा सोशल ग्रुप, आधारवड, और आद्य ग्राम गीताचार्य रामकृष्णदादा बेलुरकर घुमती लाइब्रेरी के संयुक्त प्रयास से किया गया है। शिविर में बच्चों को ग्रामगीतामय सेवा, नैतिक शिक्षा और अच्छे विचारों के साथ जीवन जीने की प्रेरणा दी जाएगी। शिविर के उद्घाटन अवसर पर प्रमुख अतिथियों में गुरुदेव प्रेमी सर्वस्वी प्रमोद नासरे, गणेश नासरे, प्रफुल्ल गर्गे, आधारवड के खुशालराव सातपुते, रामदासजी नवघरे, सुभाषराव देशमुख, वरिष्ठ गांधीवादी और प्रसिद्ध चित्रकार गजानन आंबुलकर, दशरथजी पचारे, दीपक शिंदे, प्रशांत कलोडे, रवि कलोडे, अशोक गिरी, विठोबा मुजबळले, रमेश खाजवने और शिविर समन्वयक सुरेंद्र बेलुरकर की उपस्थिति रहेगी। पुलिस कॉलोनी क्षेत्र में 30 से अधिक शिक्षक विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत हैं, जिन्होंने इस पहल को सराहा और इसे बच्चों तक पहुंचाने की आवश्यकता जताई। गुरुकृपा ग्रुप द्वारा क्षेत्र में लगातार विभिन्न सामाजिक गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है, और इसी क्रम में यह संस्कार शिविर भी

वर्धा जिला बीजेपी अध्यक्ष पद के लिए प्रशांत बुर्ले और सुनील गफाट के नामों की जोरदार चर्चा

>निर्णय की जिम्मेदारी प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के कंधों पर

वर्धा.

भारतीय जनता पार्टी के वर्धा जिलाध्यक्ष पद को लेकर जिले भर में जोरदार हलचल मची हुई है। पार्टी कार्यकर्ताओं में इस पद को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। जिले के हर तालुका में यह चर्चा तेज हो गई है कि अगला जिलाध्यक्ष कौन होगा।

इस पद के लिए कई दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं, लेकिन सबसे प्रमुख नाम प्रशांत बुर्ले का लिया जा रहा है। प्रशांत बुर्ले को एक संयमी, शांत स्वभाव, मिलनसार और कार्य के प्रति समर्पित नेता के रूप में जाना जाता है। वे कट्टर भाजपा कार्यकर्ता हैं और नगर परिषद में भी उनकी मजबूत पकड़ मानी जाती है। साथ ही समाज में भी उनकी अच्छी पकड़ है।

वहीं दूसरी ओर, पूर्व जिलाध्यक्ष सुनील गफाट का नाम भी चर्चा में बना हुआ है। उन्होंने अपने कार्यकाल में अच्छा काम किया है, लेकिन सूत्रों की मानें तो उन्हें अब पार्टी में किसी अन्य पद की जिम्मेदारी दी जा सकती है।

मिलींद भेंडे और सौ. सुनीता विजय गाखरे के नाम भी संभावित दावेदारों में लिए जा रहे हैं।

इस बार जिलाध्यक्ष पद पर चयन की जिम्मेदारी प्रदेशाध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के पास है। इसके अलावा नगराध्यक्ष पद को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गई हैं। इस पद के लिए प्रशांत बुर्ले और निलेश किटे के नाम चर्चा में हैं।

हालांकि, पार्टी के कार्यकर्ताओं की मानें तो प्रशांत बुर्ले का नाम जिलाध्यक्ष पद के लिए सबसे आगे चल रहा है और स्थानीय स्तर पर उनका समर्थन भी काफी मजबूत है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी नेतृत्व किसके नाम पर अंतिम मुहर लगाता है।

कुल मिलाकर, वर्धा जिले में भाजपा जिलाध्यक्ष पद को लेकर राजनीतिक सरगर्मी अपने चरम पर है और आने वाला समय ही तय करेगा कि किसे यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

बेमौसम बारिश ने प्याज उत्पादक किसानों की बढ़ाई मुश्किलें

> कीमत सात रुपये प्रति किलो पहुंची

अमरावती.

अचलपुर, अंजनगांव और चांदुरबाजार तहसील को प्याज का गोदाम माना जाता है, लेकिन बेमौसम बारिश के कारण अब इन गोदामों में पानी भर गया है। खेतों में खड़ी प्याज की फसल डूब गई है। बारिश ने प्याज को झटका दिया है और कीमतें 6 से 7 रुपए प्रति किलो तक गिर गई हैं।

प्याज की पहली फसल नासिक होने का समीकरण महाराष्ट्र के लिए जाना-पहचाना है, लेकिन अन्य क्षेत्रों में भी बड़ी मात्रा में प्याज का उत्पादन होता है, जिसका एक उदाहरण अमरावती जिला है। अचलपुर, अंजनगांव और चांदुरबाजार तहसील को सफेद प्याज का गोदाम माना जाता है, लेकिन बेमौसम बारिश के कारण अब इन गोदामों में पानी भर गया है। खेतों में प्याज डूब गया है। कुछ दिन पहले प्याज की कटाई शुरू हुई थी, लेकिन बारिश ने वह नहीं किया जो पहले हुआ करता था। छोटे-बड़े गांवों में इन तीनों तहसीलों में बड़ी मात्रा में प्याज का उत्पादन होता है। प्रति एकड़ डेढ़ सौ क्विंटल उपज होती है। इन किसानों के लिए यह एक तरह की नकदी फसल है। इसे 15 से 20 फरवरी के बीच लगाया जाता है। मई में इसकी कटाई होती है। किसानों का कहना है कि बारिश ठीक उसी समय हुई है, जब यह समय आ गया है। प्याज 12 से 15 रुपए प्रति क्विंटल (2 क्विंटल) के भाव से बिकता है। बाहर बाजार में इसकी कीमत अधिक मिलती है: हालांकि, बारिश के कारण प्याज खराब हो गया है और कीमत गिरकर 6 से 8 रुपए प्रति किलो रह गई है। प्याज उगाने वाले किसानों का कहना है कि जब प्याज पर पानी और मिट्टी लग जाती है, तो इसकी गुणवत्ता खराब हो जाती है और फिर कीमत भी नहीं मिलती है।

किसानों का कहना है कि इस बारिश से हुए नुकसान ने पूरे साल का हिसाब बिगाड़ दिया है। बुवाई लागत 70,000 रुपए प्रति एकड़ है। अब जब प्याज की 40 फीसदी फसल खराब हो गई है, तो लागत कैसे पूरी होगी? यही सवाल इस खंड में पूछा जा रहा है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर यातायात व्यवस्था सुधारने के लिए तीन प्रमुख चौकों पर ट्रैफिक पुलिस चौकी की मांग

हिंगनघाट.

शहर से होकर गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 44 पर बढ़ते ट्रैफिक और दुर्घटनाओं की संभावनाओं को देखते हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस प्रशासन से तीन प्रमुख स्थानों पर यातायात पुलिस चौकी स्थापित करने की मांग की है।

पार्टी के राज्य महासचिव अतुल वांदिले के मार्गदर्शन में प्रतिनिधिमंडल ने हिंगणघाट पुलिस निरीक्षक को ज्ञापन सौंपते हुए नांदोरी चौक, कालोडे चौक और उपजिला अस्पताल चौक पर ट्रैफिक पुलिस चौकी की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि शहर से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग 44 पर फिलहाल फ्लाईओवर निर्माण का कार्य चालू है, जिसके चलते यातायात को डायवर्ट किया गया है। इससे आम नागरिकों को काफी असुविधा हो रही है और दुर्घटनाओं की संभावना भी लगातार बनी हुई है।

नांदोरी चौक पर बस स्टॉप होने से वहां नागरिकों की भारी भीड़ रहती है, जबकि संत तुकड़ोजी वार्ड के लिए यह मुख्य मार्ग भी है। साथ ही, कालोडे चौक और उपजिला अस्पताल चौक पर फ्लाईओवर निर्माण कार्य के कारण यातायात अव्यवस्थित हो गया है। इन इलाकों से प्रतिदिन भारी वाहन और हजारों नागरिक गुजरते हैं, जिससे ट्रैफिक जाम और दुर्घटनाओं की घटनाएं बढ़ रही हैं। इन सभी समस्याओं के समाधान हेतु इन स्थानों पर स्थायी ट्रैफिक पुलिस चौकी की मांग की गई।

इस मौके पर राकांपा जिला महासचिव दशरथ ठाकरे, विधानसभा बूथ अध्यक्ष अमोल बोरकर, सामाजिक कार्यकर्ता सुनील डोंगरे, युवा क्षेत्र सचिव प्रशांत लोणकर, अल्पसंख्यक तालुका अध्यक्ष बब्लू शेख, अमित रंगारी, गजानन महाकालकर, प्रवीण भूते, युवा जिला उपाध्यक्ष सुशील घोड़े, ओबीसी शहर अध्यक्ष सुनील ठाकरे, पंकज भट्ट, हुकेश धोकपांडे, अमित वाढई, मोहम्मद शाहिद, निखिल ठाकरे सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे। प्रतिनिधिमंडल ने आशा व्यक्त की है कि पुलिस प्रशासन इस गंभीर मुद्दे पर शीघ्र कार्रवाई करेगा ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

छुट्टियों में छात्रों की खिचड़ी किसने खाई?

> अमरावती महानगरपालिका के आठ स्कूलों का 'फर्जीवाड़ा' उजागर

अमरावती.

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के तहत अमरावती महानगरपालिका की सीमा में स्कूलों में खिचड़ी वितरण का काम स्कूल प्रबंधन समिति के माध्यम से महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा किया जा रहा है.

हालांकि, पोर्टल पर प्रस्तुत जानकारी के अनुसार, प्राचार्यों ने खुद कबूल किया है कि छात्रों ने छुट्टियों में भी खिचड़ी खाई। अमरावती महानगरपालिका के आठ स्कूलों में यह अवैधानिक कृत्य सामने आया है और शिक्षा अधिकारियों ने प्राचार्यों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। राज्य शिक्षा निदेशक (प्राथमिक) शरद गोसावी ने स्कूलों द्वारा छुट्टियों में उपस्थिति पोर्टल पर दर्ज करने पर आलोचना की है।

इतना ही नहीं, स्कूलों द्वारा बनाए गए रिकॉर्ड के आधार पर स्कूलों के ईंधन और सब्जी के बिल ऑनलाइन तैयार किए जा रहे हैं और यह सब्सिडी स्कूल के खातों में स्थानांतरित की जाती है; लेकिन पाया गया कि अधिकांश स्कूलों ने सरकारी छुट्टियों में भी छात्रों के भोजन का रिकॉर्ड पोर्टल पर दर्ज किया।

इस खाद्य चोरी के कारण जिला परिषद और नगर शिक्षा अधिकारियों की परेशानी बढ़ गई है। शिक्षा निदेशक ने एएमएस पोर्टल पर रिकॉर्ड की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं।

इसलिए शिक्षा अधिकारियों को वित्तीय धोखाधड़ी में शामिल स्कूलों के खिलाफ सख्त प्रशासनिक कार्रवाई करने की सलाह दी गई है।

इन स्कूलों ने सरकारी छुट्टियों पर उपस्थिति दर्ज की:

- मनपा मराठी स्कूल, बेनोदा
- मनपा उर्दू गर्ल्स स्कूल नंबर 3, जूनीवस्ती, बडनेरा
- मनपा मराठी स्कूल, अकोली
- संत गाडगे बाबा प्राथमिक स्कूल, शिवाजीनगर
- मनपा प्राथमिक मराठी स्कूल नंबर 20, नवाथे नगर
- एसोसिएशन उर्दू गर्ल्स हाई स्कूल, चांदनी चौक, अमरावती
- मनपा उर्दू प्राइमरी स्कूल नंबर 5, फ्रेजरपुरा, अमरावती

हाल ही में आए तूफान के कारण किसानों को भारी नुकसान

अकोला.

पातुर तहसील के किसानों को हाल ही में आए तूफान और भारी बारिश के कारण भारी नुकसान हुआ है। इस बेमौसम बारिश ने तालुका के बागवानों को बुरी तरह प्रभावित किया है और किसानों के बाग उखड़ गए हैं।

अकोला जिले के पाटूर के किसान विजय गाडगे ने बताया कि उनके 2 एकड़ के खेत में लगे 300 नींबू के पेड़ों में से 225 पेड़ तूफान और भारी बारिश के कारण उखड़ गए हैं। चूंकि इस घटना के कारण विजय गाडगे के बागवानों को भारी नुकसान हुआ है, इसलिए उन्होंने संबंधित विभाग को पंचनामा करने का निर्देश दिया है और मुआवजे की मांग की है।

इस प्राकृतिक आपदा ने उनकी आर्थिक स्थिति को गंभीर रूप से प्रभावित किया है और चूंकि सात साल पुरानी नींबू की फसल उखड़ गई है, इसलिए उन्हें अब नए पौधे लगाने के बाद फिर से आय प्राप्त करने के लिए दो साल तक इंतजार करना होगा।

निधन वार्ता

निधन समाचार के निःशुल्क प्रकाशन हेतु संपर्क करे हमे ई-मेल करे ngpms2019@gmail.com

रमेशराव मोरनकर

नागपुर. तिरले कुनबी समाज के संचालक एवं पूर्व कोषाध्यक्ष रमेशराव मोरनकर का गुरुवार 29 मई 2025 को दोपहर 12 बजे निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार आज प्रातः 10 बजे शांतिनगर दहनघाट पर किया जाएगा।

आरसीबी ने रचा इतिहास, 9 साल बाद फाइनल में एंट्री

लुधिअना.

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आखिरकार वो कर दिखाया जिसकी उम्मीद लाखों आरसीबी फैंस को थी. आरसीबी ने आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है. पहले क्वालिफायर में आरसीबी ने एकतरफा अंदाज में पंजाब को मात दी. बेंगलुरु की जीत के हीरो जॉश हेजलवुड, सुयश शर्मा और फिल सॉल्ट हीरो. हेजलवुड और सुयश ने कमाल गेंदबाजी करते हुए 3-3 विकेट लिए. इसके बाद फिल सॉल्ट ने 23 गेंदों में अर्धशतक ठोक पंजाब के फाइनल में पहुंचने की उम्मीद को तोड़ दिया. बता दें आरसीबी ने चौथी बार आईपीएल के फाइनल में जगह बनाई है. आरसीबी ने 9 सालों के बाद आईपीएल के फाइनल में एंट्री की है. आखिरी बार ये टीम साल 2016 में फाइनल में पहुंची थी.

आरसीबी रिकॉर्डतोड़ जीत के साथ फाइनल में : आईपीएल इतिहास में पहली बार किसी टीम ने इतनी बड़ी जीत दर्ज की है. आरसीबी ने सिर्फ 10 ओवर में पहला क्वालिफायर जीत लिया. ये गेंदों के लिहाज से प्लेऑफ में किसी भी टीम की सबसे बड़ी जीत है.

पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों का शर्मनाक प्रदर्शन : टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए पंजाब किंग्स की पूरी टीम 14.1 ओवर में महज 101 रनों पर ढेर हो गई. पंजाब किंग्स की शुरुआत खराब रही और उसने पावरप्ले में चार विकेट खोए. उसका पहला विकेट दूसरे ही ओवर में गिर गया, जब यश दयाल ने प्रियांश आर्य (7 रन) को आउट किया. फिर भुवनेश्वर कुमार ने दूसरे ओपनर प्रभसिरमन सिंह (18 रन) को भी पवेलियन रवाना कर दिया. इसके बाद जोश हेजलवुड ने अपने पहले ही ओवर में विपक्षी टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर (2 रन) को पवेलियन भेज दिया. पावरप्ले में पंजाब को एक और झटका जोश इंग्लिस के रूप में लगा, जो 4 रन बनाकर जोश हेजलवुड का शिकार बने. जोश इंग्लिस के आउट होने के समय पंजाब का स्कोर 5.1 ओवर में 4 विकेट पर 38 रन था.

पंजाब किंग्स के विकेट गिरने का सिलसिला जारी रहा. जहां फॉर्म में चल रहे नेहाल वढेरा को यश दयाल ने बोल्ड किया. इसके बाद स्पिनर सुयश शर्मा की फिरकी जमकर चली. सुयश ने एक ही ओवर में शशांक सिंह (3 रन) और 'इम्पैक्ट सब' मुशीर खान (0) को चलता किया. वहीं मार्कस स्टोइनिस का बड़ा विकेट भी सुयश ने झटका. स्टोइनिस ने 2 चौके और 2 छक्के की मदद से 17 गेंदों पर 26 रन बनाए. पंजाब किंग्स के आखिरी दो विकेट हरप्रीत बराड़ और अजमतुल्लाह उमरजई के रूप में गिरे. पंजाब की ओर से मार्कस स्टोइनिस, अजमतुल्लाह उमरजई और प्रभसिमरन सिंह ही दोहरे अंकों में पहुंच पाए.

आरसीबी की तरफ से जोश हेजलवुड और सुयश शर्मा को तीन-तीन विकेट हासिल हुए. वहीं यश दयाल ने दो सफलता हासिल कीं. रोमारियो शेफर्ड और भुवनेश्वर कुमार को भी एक-एक विकेट मिला.

आईपीएल प्लेऑफ इतिहास की सबसे बड़ी जीत

आरसीबी ने आईपीएल प्लेऑफ इतिहास की सबसे बड़ी जीत दर्ज की है. ये टीम 60 गेंद पहले मैच जीती. पिछले साल केकेआर ने चेन्नई को 57 गेंद पहले हराया था. इससे पहले केकेआर ने 38 गेंद पहले सनराइजर्स हैदराबाद को हराया था. मुंबई ने साल 2017 में 33 गेंद पहले मैच जीता था. साल 2008 में चेन्नई ने पंजाब को 31 गेंद पहले हराया था. बता देंपहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की टीम सिर्फ 84 गेंदों में ढेर हो गई, ये टीम 101 रन ही बना सकी. जवाब में आरसीबी ने फिल सॉल्ट के तूफानी अर्धशतक के दम पर मैच आसानी से जीत लिया. सॉल्ट ने 27 गेंदों में नाबाद 56 रन बनाए.

तिरोड़ा में ट्रेलर की टक्कर से नाना-नाती की दर्दनाक मौत

गोंदिया.

तिरोड़ा के पांजरा गांव से खुरखुड़ी जाने वाली सड़क के पास तिरोड़ा से तुमसर की ओर लोहे की सरिया लेकर जा रहे ट्रेलर ने मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर में मोटरसाइकिल पर सवार नाती और नाना की मौत हो गई। मृतकों के नाम सारंग येले (20) और जुगराज बोपचे हैं। चिखली निवासी सारंग येले (20) अपने नाना खुरखुड़ी के पूर्व सरपंच जुगराज बोपचे को मोटरसाइकिल पर बिठाकर तिरोड़ा से तुमसर होते हुए खुरखुड़ी ले जा रहे थे। इसी दौरान पांजरा गांव के बस स्टॉप के पास खुरखुड़ी की ओर मुड़ते समय तिरोड़ा से तुमसर की ओर लोहे की सरिया लेकर जा रहे ट्रेलर ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर में सारंग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके नाना के सिर और हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आईं।

गंभीर हालत में इलाज के लिए नागपुर ले जाते समय भंडारा में उनकी मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रेलर चालक फरार हो गया। दुर्घटना की जानकारी तिरोड़ा पुलिस को मिलते ही तिरोड़ा पुलिस मौके पर पहुंची। ट्रेलर को जब्त कर तिरोड़ा पुलिस थाने में जमा कर दिया गया है। आगे की जांच तिरोड़ा पुलिस कर रही है।

रमाई आंबेडकर को पुण्यतिथि पर आदरांजलि दी

सौंसर.

भारतीय संविधान के शिल्पकार डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की धर्मपत्नी मातोश्री रमाई आंबेडकर की पुण्यतिथि के अवसर पर बुद्ध विहार, सौंसर में भावपूर्ण श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में बौद्ध अनुयायियों ने एकत्र होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम की शुरुआत तथागत बुद्ध, डॉ. बाबासाहब आंबेडकर की प्रतिमा एवं मातोश्री रमाई आंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष मोमबत्ती प्रज्वलन, पुष्प अर्पण और अभिवादन के साथ हुई। इसके पश्चात भंते शीलरक्षित व भिक्षु संघ ने सामूहिक बुद्ध वंदना संपन्न कराई। भंते शीलरक्षित ने अपने उद्बोधन में रमाई आंबेडकर के जीवन में समर्पण, सेवा, त्याग और बलिदान की भावना को रेखांकित करते हुए उपस्थित जनसमूह को उनके आदर्शों का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि रमाई आंबेडकर ने न सिर्फ बाबासाहब का साथ दिया, बल्कि सामाजिक संघर्षों में भी उनके कंधे से कंधा मिलाकर कार्य किया। इस अवसर पर भारतीय बौद्ध महासभा, समता सैनिक दल, संविधान बचाओ संघर्ष समिति के प्रतिनिधि एवं स्थानीय बौद्ध अनुयायी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मातृशक्ति की उल्लेखनीय भागीदारी ने कार्यक्रम को विशेष भावपूर्ण स्वरूप प्रदान किया।

महेशनवमी पर 'एक शाम परिवार के नाम' कार्यक्रम का आयोजन

> पंडित विजयशंकर मेहता देंगे व्याख्यान

नागपुर.

माहेश्वरी समाज ने महेश नवमी महापर्व के उपलक्ष्य में एक विशेष कार्यक्रम 'एक शाम परिवार के नाम' का आयोजन किया है। यह आयोजन सोमवार, 2 जून 2025 को शाम 7:00 बजे कविवर्य सुरेश भट्ट सभागृह, रेशीमबाग, नागपुर में संपन्न होगा। यह भव्य कार्यक्रम माहेश्वरी संगठन महल, मध्य नागपुर एवं ज्योति महिला मंडल, महल, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर देश-विदेश में अपने धर्म एवं अध्यात्म से जुड़े व्याख्यानों के लिए प्रसिद्ध पंडित विजयशंकर मेहता (उज्जैन) अपने ओजस्वी विचार प्रस्तुत करेंगे। पंडित मेहता अब तक 75 विषयों पर 3000 से अधिक व्याख्यान दे चुके हैं। वे मानते हैं कि हनुमानजी हर परिवार के आत्मदेव हैं और जीवन का केंद्र उन्हीं के चारों ओर होना चाहिए। उनका यह व्याख्यान पारिवारिक जीवन में समरसता, प्रेम, एकता और आत्मीयता को बढ़ावा देने वाला रहेगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आज के समय में टूटते परिवारों को फिर से जोड़ना और पारिवारिक मूल्यों को पुनः जागृत करना है।

समाजजन से सपरिवार सहभाग की अपील

कार्यक्रम के संयोजक प्रविण सुरजन और संजय लोया हैं, जबकि विजय पनपालिया कार्यक्रम प्रभारी के रूप में योगदान देंगे। आयोजकों ने माहेश्वरी समाज के सभी बंधुओं से सपरिवार उपस्थित होकर इस प्रेरणादायी कार्यक्रम का लाभ उठाने की अपील की है।

सात दिवसीय श्रीमद्‌भागवत कथा का हुआ समापन

छिंदवाड़ा.

नरसिंगपुर रोड गणेश कॉलोनी स्थित श्री गणेश मंदिर में सात दिवसीय श्रीमद भागवत कथा का मंगलवार को समापन हुआ। भागवत कथा में चार वेद, पुराण, गीता एवं श्रीमद् भागवत महापुराण की व्याख्या, प्रभुपाद, पंडित दिलीप मिश्रा के मुखारवृंद से उपस्थित भक्तों ने श्रवण किया।

विगत सात दिनों तक भगवान श्री कृष्ण जी के वात्सल्य प्रेम, असीम प्रेम के अलावा उनकी विभिन्न लीलाओं का वर्णन कर वर्तमान समय में समाज में व्याप्त अत्याचार, अनाचार, कटुता, व्यभिचार को दूर कर सुंदर समाज निर्माण के लिए युवाओं को प्रेरित किया।

इस धार्मिक अनुष्ठान के सातवें एवं अंतिम दिन भगवान श्री कृष्ण के सर्वोपरी लीला श्री रास लीला, मथुरा गमन, दुष्ट कंस राजा के अत्याचार से मुक्ति के लिए कंसबध, कुबजा उद्धार, रुक्मणी विवाह, शिशुपाल वध एवं सुदामा चरित्र का वर्णन कर लोगों को भक्तिरस में डुबो दिया।

इस दौरान भजन गायन ने उपस्थित लोगों को ताल एवं धुन पर नृत्य करने के लिए विवश कर दिया। पंडित जी ने सुंदर समाज निर्माण के लिए गीता से कई उपदेश के माध्यम अपने को उस अनुरूप आचरण करने कहा जो काम प्रेम के माध्यम से संभव है, वह हिंसा से संभव नहीं हो सकता है।

समाज में कुछ लोग ही अच्छे कर्मों से सदैव चिर स्मरणीय होते है, इतिहास इसका साक्षी है। काफ़ी संख्या में उपस्थित महिला-पुरूष भक्तो ने इस सात दिवसीय संगीतमयी भागवत कथा का आनंद उठाया।

सात दिनों तक इस कथा में पुरा वातावरण भक्तिमय रहा। प्रवचन के बाद गणेश कॉलोनी सेवा समिति ने उपस्थित भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया।

महावितरण का 20वां स्थापना दिवस 'विद्युत सुरक्षा' को समर्पित

> 1 से 6 जून तक मनाया जाएगा 'सुरक्षा सप्ताह'

नागपुर.

महाराष्ट्र राज्य विद्युत मंडल के पुनर्गठन के उपरांत स्थापित महावितरण कंपनी के 20 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में, 1 जून से 6 जून 2025 तक राज्यभर में 'स्थापना दिवस एवं विद्युत सुरक्षा सप्ताह' का आयोजन किया जा रहा है। यह सप्ताह 'शून्य दुर्घटना महावितरण... शून्य दुर्घटना महाराष्ट्र...' इस संकल्पना पर आधारित होगा। महावितरण ने जहां अपने कर्मचारियों के विद्युत दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाने में सफलता पाई है, वहीं आम नागरिकों व विशेषकर बच्चों में विद्युत दुर्घटनाओं की घटनाएं चिंताजनक रूप से बढ़ी हैं। इसी के मद्देनजर विद्युत सुरक्षा के प्रति जनजागृति हेतु विविध कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई है।

सप्ताह भर चलने वाले प्रमुख कार्यक्रमः रन फॉर सेफ्टी (1 जून)

राज्य के सभी परिमंडल मुख्यालयों में 'रन फॉर सेफ्टी' मैराथन का आयोजन किया जाएगा।

तकनीक के माध्यम से जनजागरणः सभी अधिकारी-कर्मचारियों को स्थापना दिवस व सुरक्षा सप्ताह संबंधी जानकारी एसएमएस के माध्यम से, और विद्युत ग्राहकों को ई-मेल के माध्यम से दी जाएगी।

स्थानीय जनजागरूकता कार्यक्रम (2 जून) : प्रत्येक उपविभाग के कम से कम एक आवासीय क्षेत्र में सीधी जनजागरूकता पहल की जाएगी। इसके अतिरिक्त, बाजार, सार्वजनिक परिवहन केंद्रों व अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर भी जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

प्रतियोगिताएं (3 व 4 जून) : विद्यार्थियों, ग्राहकों व जनमित्रों के लिए विद्युत सुरक्षा विषयक प्रश्नमंच, निबंध लेखन व चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की जाएंगी। महावितरण कर्मचारियों व उनके परिजनों के लिए भी अलग-अलग स्पर्धाएं होंगी।

पोस्टर व प्रचार सामग्री के माध्यम से जागरूकता : महावितरण कार्यालयों, ट्रांसफॉर्मर पेटियों, आर.एम.यू., डिजिटल बोर्ड्स, सीढ़ी गाड़ियों, उपकेंद्रों, शिकायत निवारण केंद्रों, ग्राहक सेवा केंद्रों व आवासीय परिसरों में सुरक्षा पोस्टर लगाए जाएंगे। इसके साथ ही सोशल मीडिया, रेडियो, टीवी आदि के माध्यम से भी व्यापक प्रचार किया जाएगा।

वसुंधरा दिवस रैली (5 जून) : विद्युत सुरक्षा व ऊर्जा संरक्षण को समर्पित जागरूकता रैली का आयोजन किया जाएगा।

स्थापना दिवस समारोह (6 जून) : इस दिन सभी अधिकारियों व कर्मचारियों को एसएमएस द्वारा शुभकामनाएं व विद्युत सुरक्षा संदेश भेजे जाएंगे। सभी शाखा कार्यालयों में विद्युत सुरक्षा की प्रतिज्ञा कार्यक्रम आयोजित होगा। तत्पश्चात कर्मचारियों व उनके परिवारों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु सूचनाः जो प्रतिभागी चित्रकला, निबंध लेखन या प्रश्नमंच स्पर्धा में भाग लेना चाहते हैं, वे अपना नाम कुणाल गजभिये, प्रबंधक (मानव संसाधन), महावितरण नागपुर शहर मंडल, प्रकाश भवन, लिंक रोड, गड्डीगोदाम, सदर, नागपुर पर 2 जून 2025 को शाम 5 बजे तक या ईमेल – managerhrnuc@gmail.com पर भेज सकते हैं।

महाराणा प्रताप को महावितरण की ओर से श्रद्धांजलि

नागपुर.

मुगल साम्राज्य की विस्तारवादी नीतियों का डटकर विरोध करने वाले, अपने राज्य मेवाड़ की स्वतंत्रता और मातृभूमि के प्रति अडिग निष्ठा के प्रतीक महाराणा प्रताप की जयंती के अवसर पर महावितरण की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस उपलक्ष्य में महावितरण के काटोल रोड स्थित "विद्युत भवन" में आयोजित कार्यक्रम में महावितरण के नागपुर परिमंडल के मुख्य अभियंता दिलीप दोडके ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर महाव्यवस्थापक (वित्त एवं लेखा) अतुल राऊत, कार्यकारी अभियंता समीर शेंद्रे, उपविधि अधिकारी सुनील उपाध्ये, वरिष्ठ व्यवस्थापक (वित्त एवं लेखा) सुनील गवई, प्रणाली विश्लेषक प्रवीण काटोले, उपमुख्य जनसंपर्क अधिकारी योगेश विटनकर, वरिष्ठ व्यवस्थापक (मानव संसाधन) विवेक बामनोटे, तथा वरिष्ठ व्यवस्थापक (विधि) डॉ. अविनाश आचार्य सहित महावितरण एवं महानिर्मिति के अनेक अधिकारी, अभियंता एवं कर्मचारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में सभी ने महाराणा प्रताप के बलिदान, साहस और देशभक्ति को याद करते हुए उन्हें नमन किया और उनके जीवन से प्रेरणा लेने का संकल्प लिया। महावितरण ने यह संदेश दिया कि महाराणा प्रताप जैसे वीरों की गौरवगाथा आने वाली पीढ़ियों को सदैव राष्ट्रसेवा और निष्ठा की प्रेरणा देती रहेगी।

शुभांक		
श्रीदेवी	490-3	136-0
श्रीदेवी नाईट	668-0	370-0